CS – 052

29

III Semester B.Com. Examination, March 2023
(Repeaters) (CBCS)
(2019 – 20 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Sarkari Patra Aur Sankshepan

St Claret College LIBRARY Bangalore-560013

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या **एक** वाक्य में लिखिए । **(10×1=10)**

1) अंबिका कौन थी ?

2) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक कितने अंकों में विभाजित है ?

3) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नायिका कौन है ?

4) मल्लिका की माता का नाम क्या है ?

5) विलोम कौन है ?

6) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की भाषाशैली कैसी है ?

7) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में नाटककार ने किस परिवेश को उभारा है ?

8) कालिदास के मामा का नाम क्या है ?

9) मल्लिका किससे प्रेम करती है ?

10) कालिदास का विवाह किससे हो जाता है ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(2×6=12)**

1) ''नहीं माँ, मुझे विश्राम नहीं करना है । थकी कहाँ हूँ, जो विश्राम करूँ ?''

2) ''कई-कई बातें करना चाहता हूँ । कई-कई बार मुझे लगता है कि मेरा भी कुछ अपराध है ।''

3) ''समाचार यह है कि सम्राट का निधन हो गया है । कश्मीर में विद्रोही शक्तियाँ सिर उठा रही है ।''

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए । **(1×12=12)**

1) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

2) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के कथ्य की सार्थकता की समीक्षा कीजिए ।

P.T.O.

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए । **(1×6=6)**

1) कालिदास

2) विलोम

V. कोई **दो** पत्र लिखिए । **(2×10=20)**

1) सुश्री नूरेन फातिमा, उपनिदेशक, शिक्षा विभाग, कर्नाटक राज्य की ओर से श्वेता छाबरिया, लिपिक की 1 अप्रैल 2022 से 30 अप्रैल 2022 तक 30 दिन की अर्जित छुट्टी स्वीकार करते हुए कार्यालय आदेश लिखिए ।

2) सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की ओर से शिक्षा सचिव, कर्नाटक सरकार को सामान्य सरकारी पत्र लिखकर देश में एकसमान पाठ्यक्रम जारी करने की दिशा में अभिप्राय माँगिए ।

3) अमलेन्द्र कुमार, भारत-सरकार, समाज-कल्याण, मंत्रालय की ओर से श्री ज्योति भूषण को एक वर्ष की अवधि तक भारत-सरकार की सेवा में रहने के लिए सचिव, भारत-सरकार, गृह-मंत्रालय के नाम एक पत्र लिखिए ।

VI. उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए । **(1×10=10)**

हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे हो या नए वर्ष के आगमन के रूप में फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हो या महापुरुषों की याद में सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करते हैं । ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं । वहीं हमारे अंदर देश-भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ विश्व-बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं । इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश, हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं । इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं ।